

दक्ष®



**पशु
परिचर**

भाग- 'अ'

सामान्य ज्ञान

भाग- 'ब'

पशुपालन

माध्यमिक स्तर के दैनिक विज्ञान,
गणित, सामाजिक अध्ययन,
भूगोल, इतिहास, कला एवं संस्कृति

पशुपालन से संबंधित
सामान्य ज्ञान

**CHAPTERWISE
QUESTION BANK**

100% Explanations (व्याख्या) के साथ

Buy Online at : WWW.DAKSHBOOKS.COM

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड [RSSB]

द्वारा आयोजित

★ **परीक्षा की स्कीम एवं पाठ्यक्रम**—पशु परिचर के पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा की स्कीम निम्नानुसार है—

प्रश्न-पत्र का भाग	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग-(अ)	105	105	03 घंटे
भाग-(ब)	45	45	
कुल योग	150	150	

नोट—

1. पाठ्यक्रम के अनुसार समान अंक वाले बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के कुल 150 प्रश्न होंगे।
2. अधिकतम पूर्णांक 150 प्रश्न होंगे।
3. प्रत्येक सही उत्तर के लिये अधिकतम 1 (एक) अंक देय होगा।
4. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये $\frac{1}{4}$ अंक काटा जावेगा।
5. प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 40% अंक लाना अनिवार्य होगा।
6. परीक्षा का मानक स्तर सैकण्डरी का होगा।

पाठ्यक्रम (Syllabus)

प्रश्नों की संख्या : 105

भाग-‘अ’ (भारांक 70 प्रतिशत)

पूर्णांक : 105

- ❖ राजस्थान राज्य के विशिष्ट संदर्भ के साथ माध्यमिक स्तर के सामान्य ज्ञान जिसमें दैनिक विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, भूगोल, इतिहास, संस्कृति, कला, समसामाजिक विषय आदि समाविष्ट हो, पर वस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न।

प्रश्नों की संख्या : 45

भाग-‘ब’ (भारांक 30 प्रतिशत)

पूर्णांक : 45

- ❖ पशुपालन से सम्बन्धित निम्न बिन्दुओं का सामान्य ज्ञान जिसमें प्रदेश में पशुओं की प्रमुख देशी नस्लें, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण, संकर प्रजनन, दुग्ध दोहन दुग्ध स्रवण काल, स्वच्छ दूध उत्पादन, पशु एवं कुक्कुट प्रबंधन, जैविक अपशिष्टों का निस्तारण, संतुलित पशु आहार, चारा फसलें, चारा/चारागाह विकास, स्वस्थ एवं बीमार पशुओं की पहचान, पशुओं में अंतः एवं बाह्य परजीवी रोग, पशुओं में टीकाकरण, पशुधन प्रसार, भेड़-बकरियों का स्वास्थ्य कलेण्डर, डन, मांस, दूध व अंडों का देश व राज्य में उत्पादन व स्थान, प्रति व्यक्ति दूध/मांस/अंडों की उपलब्धता, प्रति पशु दूध की उत्पादकता, ऊन कतरन, भार ढोने वाले पशु, वर्मी कम्पोस्ट खाद, पशुओं के चमड़े एवं हड्डियों का उपयोग, पशुओं की उम्र ज्ञात करना, पॉलीथीन से पशुओं/पर्यावरण को हानि, पशु बीमा, पशु क्रम के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ, पशु मेलें, पशुगणना, गौशाला प्रबंधन, साफ सफाई का महत्त्व, गोबर मूत्र का उचित निष्पादन, पशुधन उत्पादों का विपणन, डेयरी विकास गतिविधियों तथा पशुपालन विभाग की प्रमुख योजनायें आदि का समावेश हो, पर वस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न।

विषय-सूची

अध्याय नं. अध्याय का नाम पेज संख्या

❖ पशु परिचयर सीधी भर्ती परीक्षा • मॉडल पेपर M-1-M-8

प्रश्नों की संख्या : 105

भाग-‘अ’ (भारांक 70 प्रतिशत)

पूर्णांक : 105

दैनिक विज्ञान

1-80

- 1 पदार्थ की अवस्थाएँ एवं संगठन [Stages and Structure of Matter] 1
- 2 भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रियाएँ [Physical and Chemical Reactions]... 5
- 3 अम्ल, क्षार व लवण [Acid, Base and Salts] 8
- 4 धातु एवं अधातु [Metal and Non-Metals] 12
- 5 आवर्त सारणी [Periodic Table] 18
- 6 कार्बन एवं उसके यौगिक [Carbon and Its Compounds] 20
- 7 बल एवं गति [Force and Motion] 26
- 8 प्रकाश [Light] 33
- 9 ध्वनि [Sound] 38
- 10 विद्युतिकी एवं चुम्बकत्व [Electricity and Magnetism] 45
- 11 मानव शरीर [Human Body] 51
- 12 नियंत्रण एवं समन्वय [Control and Coordination] 59
- 13 प्रजनन एवं किशोरावस्था [Reproduction and Adolescence] 63
- 14 आहार एवं पोषण [Food and Nutrition] 67
- 15 मानव स्वास्थ्य [Human Health] 72
- 16 आनुवंशिकी [Genetics] 79

गणित

81-184

- 1 बहुपद एवं द्विघात समीकरण [Polynomials and Quadratic Equation] .. 81
- 2 रैखिक समीकरण [Linear Equation] 87
- 3 प्रतिशतता [Percentage] 92
- 4 लाभ एवं हानि [Profit and Loss] 101
- 5 साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज [Simple and Compound Interest] 110

अध्याय नं. अध्याय का नाम पेज संख्या

6	अनुपात एवं समानुपात [Ratio and Proportion]	121
7	औसत [Average]	128
8	समतल का क्षेत्रफल एवं परिमाप [Area & Perimeter of Plane].....	133
9	ठोस का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन [Surface Area & Volume of Solid]	142
10	त्रिकोणमितीय अनुपात [Trigonometric Ratio]	153
11	ऊँचाई एवं दूरी [Height and Distance]	163
12	डाटा निरूपण [Data Interpretation]	170
13	केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप [Measurement of Centre Tendency].....	176
14	प्रायिकता [Probability].....	181

राजस्थान का भूगोल

185-284

1	सामान्य परिचय [General Introduction]	185
2	अवस्थिति एवं विस्तार [Location and Extent]	188
3	भौतिक प्रदेश [Physical Region]	190
4	जलवायु [Climate]	199
5	अपवाह तंत्र [Drainage System].....	203
	❖ नदियाँ	203
	❖ झीलें	207
	❖ बाँध	210
	❖ तालाब	211
6	सिंचाई परियोजनाएँ [Irrigation Projects]	212
7	मृदा [Soil].....	218
8	वन सम्पदा [Forest Wealth]	222
9	जैव विविधता [Biodiversity]	227
10	जनगणना-2011 [Census-2011]	233
11	जनजातियाँ [Tribes]	239
12	खनिज संसाधन [Mineral Resources]	242
13	पर्यटन [Tourism]	249
14	परिवहन [Transportation]	256
	❖ सड़क परिवहन	256
	❖ रेल परिवहन	258
	❖ वायु परिवहन	259

अध्याय नं.	अध्याय का नाम	पेज नम्बर
15	कृषि [Agriculture]	260
16	पशु सम्पदा [Animal Wealth].....	267
17	ऊर्जा संसाधन [Energy Resources]	270
18	औद्योगिक विकास [Industrial Development]	274
19	योजनाएँ [Schemes]	281

राजस्थान का इतिहास

285-325

1	इतिहास के स्रोत [Sources of History]	285
2	राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ [Ancient Civilizations of Rajasthan]...	287
	❖ कालीबंगा सभ्यता	287
	❖ आहड़ सभ्यता	288
	❖ बैराठ सभ्यता	289
	❖ गणेश्वर सभ्यता	290
	❖ बालाथल सभ्यता	291
	❖ बाणौर सभ्यता	291
	❖ अन्य सभ्यताएँ	292
3	राजस्थान के प्रमुख राजवंश [Major dynasties of Rajasthan].....	293
	❖ गुर्जर-प्रतिहार राजवंश	293
	❖ गुहिल-सिसोदिया राजवंश	294
	❖ राठौर राजवंश	298
	❖ चौहान राजवंश	299
	❖ कच्छवाहा राजवंश	301
	❖ जाट, भाटी एवं यादव राजवंश	303
	❖ हाड़ा एवं झाला राजवंश	303
	❖ परमार राजवंश	304
	❖ अन्य राजवंश	304
4	राजवंशों की प्रशासनिक व्यवस्था [Administrative System of Dynasties]	305
5	1857 की क्रांति [Revolution of 1857]	307
6	जनजागरण [Public Awareness]	309
7	किसान एवं जनजाति आंदोलन [Farmers and Tribal Movement]	310
	❖ किसान आंदोलन	310
	❖ जनजाति आंदोलन	312
8	प्रजामंडल आंदोलन [Prajamandal Movement].....	314

अध्याय नं. अध्याय का नाम पेज संख्या

9	एकीकरण [Integration]	316
10	ऐतिहासिक स्थल [Historical Site]	320
11	प्रमुख व्यक्तित्व [Major Personality]	322

राजस्थान की कला एवं संस्कृति 326-368

1	स्थापत्य कला [Architecture]	326
❖	दुर्ग	326
❖	महल	329
❖	हवेलियाँ	330
❖	बावड़ियाँ	330
❖	छतरियाँ व स्मारक	331
❖	मंदिर	332
2	चित्रकला [Painting]	336
3	हस्तकला [Handicraft]	338
4	वेशभूषा एवं आभूषण [Clothing and Jewelry]	341
❖	वेशभूषा	341
❖	आभूषण	341
5	रीति-रिवाज और संस्कृति [Customs and Sanskrit]	343
6	मेले एवं त्योहार [Fairs and Festivals]	344
❖	मेले	344
❖	त्योहार	346
7	लोक संगीत एवं वाद्य यंत्र [Folk Music and Instruments]	348
❖	लोक गीत/संगीत	348
❖	वाद्य यंत्र	350
8	लोक नृत्य व लोक नाट्य [Folk Dance and Folk Drama]	352
❖	लोक नृत्य	352
❖	लोक नाट्य	354
9	संत एवं संप्रदाय [Saints and Sects]	355
10	लोक देवता एवं देवियाँ [Folk Gods and Goddesses]	359
❖	लोक देवता	359
❖	लोक देवियाँ	361
11	भाषा एवं बोलियाँ [Languages and Dialects]	363
12	साहित्य [Literature]	365

अध्याय नं. अध्याय का नाम पेज संख्या

प्रश्नों की संख्या : 45

भाग-‘ब’ (भारांक 30 प्रतिशत)

पूर्णांक : 45

पशुपालन का सामान्य ज्ञान**369-480**

- 1** पशुओं की विभिन्न नस्लें
[Major Various Breeds of Animals] 369
- 2** पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण एवं संकर प्रजनन
[Artificial Insemination, Castration & Hybrid
Breeding in Animals] 388
- 3** दुग्ध दोहन, दुग्ध स्रवण काल, स्वच्छ दूध उत्पादन
[Milking, Lactation Period, Clean Milk Production] 398
- 4** पशु, कुक्कुट प्रबंधन एवं जैविक अपशिष्ट निस्तारण
[Animal, Poultry Management & Organic Waste Disposal]. 407
- 5** संतुलित पशु आहार, चारा, चारागाह विकास
[Balanced Animal Feed, Fodder, Pasture Development] 415
- 6** स्वस्थ, बीमार पशु की पहचान, रोग एवं उपचार
[Identification, Diseases and Treatment of Healthy &
Sick Animals] 425
- 7** पशु उत्पाद
[Animal Product] 437
- 8** वर्मीकम्पोस्ट खाद, पशुओं के चमड़े व हड्डियों का उपयोग एवं पशुओं की उम्र ज्ञात करना
[Vermicompost, Use of Animal Skin & Bones and
Determining the Age of Animals] 445
- 9** पॉलीथीन से पशुओं एवं पर्यावरण को हानि, पशु बीमा एवं पशु क्रय-विक्रय
[Polythene Causes Harm to Animals & Environment
Animal Insurance & Animal Buying and selling]..... 456
- 10** पशु मेले, पशुगणना, गौशाला प्रबंधन एवं गोबर-मूत्र का उचित निष्पादन
[Animal Fair, Animal Census, Cowshed Management &
Proper Disposal of Cow Dung & Urine] 461
- 11** पशु उत्पादों का विपणन
[Marketing of Animal Products] 470
- 12** डेयरी विकास गतिविधियाँ एवं पशुपालन विभाग की प्रमुख योजनाएँ
[Dairy Development Activities & Major Schemes of
Animal Husbandry Department] 472

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड [RSSB]


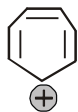
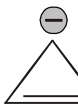

द्वारा आयोजित

पशु पालक सीधी भर्ती परीक्षा

परीक्षा की स्कीम

⊙ प्रश्न-पत्र अधिकतम 150 अंकों का होगा। ⊙ प्रश्न-पत्र की अवधि 3 घण्टे की होगी। ⊙ प्रश्न-पत्र में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे तथा सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।

मॉडल पेपर

- डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के संबंध में कौनसा कथन सत्य है—
 (A) सभी द्रव्य छोटे-छोटे कण 'परमाणुओं' से बनते हैं।
 (B) परमाणु अविभाज्य कण है, जिसको न तो नष्ट कर सकते हैं, न ही उत्पन्न।
 (C) एक तत्व के सभी परमाणु समान होते हैं।
 (D) उपरोक्त सभी
- विलवणीकरण क्या है—
 (A) यह पर्यावरण की सफाई प्रक्रिया है
 (B) यह ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नमकीन पानी से खनिज पदार्थ को अलग करती है।
 (C) यह कैफीन (caffeine) हटाने की प्रक्रिया है।
 (D) इनमें से कोई नहीं
- जब हम सेब को टुकड़ों में काटते हैं तो कुछ समय बाद सतह का रंग भूरा हो जाता है। यह एक है—
 (A) भौतिक परिवर्तन
 (B) रासायनिक परिवर्तन
 (C) भौतिक व रासायनिक परिवर्तन दोनों
 (D) या तो भौतिक परिवर्तन या रासायनिक परिवर्तन
- निम्नलिखित अभिक्रिया : $4\text{NH}_3(\text{g}) + 5\text{O}_2(\text{g}) \rightarrow 4\text{NO}(\text{g}) + 6\text{H}_2\text{O}(\text{g})$ उदाहरण है—
 I. विस्थापन अभिक्रिया का II. संयोजन अभिक्रिया का
 III. अपचयन अभिक्रिया का IV. उदासीनीकरण क्रिया का
 कूट
 (A) I तथा IV (B) II तथा III
 (C) I तथा III (D) III तथा IV
- खाने का नमक (NaCl) किससे बना होता है?
 (A) एक प्रबल अम्ल और एक प्रबल क्षार
 (B) एक दुर्बल अम्ल और एक दुर्बल क्षार
 (C) एक दुर्बल अम्ल और एक प्रबल क्षार
 (D) एक प्रबल अम्ल और एक दुर्बल क्षार
- निम्न में से कौन-सा घोल वैद्युत का सुचलाक नहीं है?
 (A) सोडियम हाइड्रॉक्साइड घोल
 (B) ग्लूकोज घोल
 (C) एसिटिक एसिड घोल
 (D) हाइड्रोक्लोरिक एसिड घोल
- निम्न धातुओं में से कौन सी धातु आयरन क्लोराइड से लोहे का विस्थापन करती है?
 (A) सीसा (B) टीन (C) चाँदी (D) जस्ता
- निम्न में से कौन आघातवर्धनीय नहीं है?
 (A) एल्युमिनियम (B) तांबा
 (C) चाँदी (D) ग्रेफाइट
- आधुनिक आवर्त सारणी में धातुओं को किस ओर रखा गया है?
 (A) ऊपरी पंक्ति (B) दायीं ओर
 (C) निचली पंक्ति (D) बायीं ओर
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही/गलत है?
 A. एक आवर्त में बाएँ से दाएँ चलते समय, तत्वों की रासायनिक प्रतिक्रिया पहले घट जाती है और फिर बढ़ जाती है।
 B. आवर्त सारणी के समूह में नीचे जाने पर गैर-धातु की रासायनिक प्रतिक्रिया बढ़ जाती है।
 (A) कथन A सही है, लेकिन B गलत है।
 (B) कथन A और B गलत हैं।
 (C) कथन B सही है, लेकिन A गलत है।
 (D) कथन A और B सही हैं।
- असंतुप्त यौगिकों के दहन के दौरान देखी जाती है—
 (A) साफ लौ (B) नीली लौ
 (C) लाल लौ (D) पीली लौ
- एरोमैटिक यौगिक का चयन कीजिए—
 (A)  (B) 
 (C)  (D) 
- एक वस्तु जिसका द्रव्यमान 15 किलोग्राम है, 4ms^{-1} के एक समान वेग से गति कर रही है। वस्तु की गतिज ऊर्जा कितनी है?
 (A) 12 जूल (B) 60 जूल (C) 120 जूल (D) 1.2 जूल
- एक खींचे हुए धनुष से तीर छोड़ते समय, धनुष की स्थितिज ऊर्जा किसमें बदल जाती है?
 (A) रासायनिक ऊर्जा (B) गतिज ऊर्जा
 (C) ध्वनि ऊर्जा (D) ताप ऊर्जा

दैनिक विज्ञान

1

पदार्थ की अवस्थाएँ एवं संगठन [Stages and Structure of Matter]

1. परमाणु की त्रिज्या का प्रयोग किसे मापने के लिए किया जाता है?

- (A) परमाण्विक संख्या (B) परमाण्विक द्रव्यमान
(C) परमाण्विक आकार (D) परमाण्विकता [C]

व्याख्या—परमाणु के केन्द्रक से बाह्य कक्षा में उपस्थित इलेक्ट्रॉनों के बीच की दूरी परमाणु त्रिज्या कहलाती है। इसे नैनोमीटर (10^{-9} m) में मापा जाता है। यह रासायनिक तत्व के परमाणु का आकार मापने में प्रयुक्त होती है। परमाणु त्रिज्याएँ तीन प्रकार की होती हैं—

- (1) आयनिक त्रिज्या (2) सहसंयोजक त्रिज्या
(3) वाडरवाल्स, त्रिज्या

2. अणु का गठन करने वाले परमाणुओं की संख्या को क्या कहते हैं—

- (A) परमाण्विक संख्या (B) आइसोटोप
(C) परमाण्विक द्रव्यमान (D) परमाण्विकता [D]

व्याख्या—कोई अणु के निर्माण में प्रयुक्त परमाणुओं की संख्या परमाण्विकता कहलाती है। आर्गन, हीलियम एक परमाणु तत्व, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन व नाइट्रोजन द्विपरमाणुक तथा फास्फोरस चतुर्परमाणुक का उदाहरण है।

3. निम्नलिखित तत्वों में से कौन-सा तत्व समान तत्वों वाले अन्य परमाणुओं के साथ संयोजित होकर बड़े अणु उत्पन्न करने की विशिष्ट योग्यता रखता है?

- (A) एल्युमीनियम (B) हाइड्रोजन
(C) कार्बन (D) नाइट्रोजन [C]

व्याख्या—कार्बन में कार्बन के ही अन्य परमाणुओं के साथ आबंध बनाने की अद्वितीय क्षमता होती है जिससे बड़ी संख्या में अणु बनते हैं। इस गुण को शृंखलन कहा जाता है। कार्बन के इसी गुण के कारण पृथ्वी पर सर्वाधिक पदार्थ कार्बनिक होते हैं।

4. किसी परमाणु का परमाणु क्रमांक उसके नाभिक में उपस्थित प्रोटॉन के होता है—

- (A) बराबर (B) चार गुणा (C) तीन गुणा (D) शून्य [A]

व्याख्या—प्रोटॉन परमाणु के नाभिक में उपस्थित होता है। उदासीन परमाणु में प्रोटॉनों व इलेक्ट्रॉनों की संख्या समान होती है। किसी परमाणु का परमाणु क्रमांक उसके नाभिक में उपस्थित प्रोटॉन की संख्या के बराबर होता है। प्रोटॉन, प्रोटियम या साधारण हाइड्रोजन का नाभिक है।

5. बर्फ पानी पर तैरती है क्योंकि इसका घनत्व—

- (A) पानी से अधिक होता है (B) पानी से कम होता है
(C) शून्य होता है (D) पानी के समान होता है [B]

व्याख्या—बर्फ का घनत्व पानी से कम होता है। इसलिए यह पानी पर तैरती रहती है। बर्फ घनत्व 0.9168 g/cm^3 जबकि पानी का घनत्व 1 g/cm^3 होता है। पानी बर्फ से भारी होने के कारण बर्फ को अवस्थित कर देता है जिसके कारण बर्फ पानी पर तैरने लगती है।

6. एक तत्व का परमाणु भार W और परमाणु संख्या N है। इस परमाणु के केन्द्र में प्रोटॉन की संख्या कितनी होगी?

- (A) N (B) W (C) W - N (D) W + N [A]

व्याख्या—किसी तत्व में उपस्थित प्रोटॉन की संख्या उस तत्व की परमाणु संख्या कहलाती है। यदि परमाणु संख्या N है तो प्रोटॉन की संख्या भी N होगी।

7. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के संबंध में कौनसा कथन सत्य है—

- (A) सभी द्रव्य छोटे-छोटे कण 'परमाणुओं' से बनते हैं।
(B) परमाणु अविभाज्य कण है, जिसको न तो नष्ट कर सकते हैं, न ही उत्पन्न।
(C) एक तत्व के सभी परमाणु समान होते हैं।
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—जॉन डॉल्टन ने द्रव्य की संरचना के बारे में जो अभिधारणाएँ दी हैं उन्हें परमाणु सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है। इस सिद्धान्त की मुख्य अभिधारणाएँ निम्न प्रकार हैं—

- ✧ प्रत्येक द्रव्य अत्यन्त सूक्ष्म कणों से मिलकर बनता है जिन्हें परमाणु कहते हैं और जो रासायनिक क्रिया में भाग लेते हैं।
- ✧ परमाणु अविभाज्य हैं। परमाणु को सृजित एवं नष्ट नहीं किया जा सकता।
- ✧ विभिन्न तत्वों के परमाणु भिन्न-भिन्न गुण व भिन्न-भिन्न द्रव्यमान के होते हैं जबकि एक ही तत्व के सभी परमाणु हर प्रकार से समान होते हैं।
- ✧ विभिन्न तत्वों के परमाणु आपस में सरल अनुपात में संयोग करके यौगिक बनाते हैं। तत्वों के संयुक्त होने वाले भार परमाणुओं के संयोग करने वाले भारों को प्रदर्शित करते हैं।

8. फॉस्फोरस के एक परमाणु में कितने संयोजी इलेक्ट्रॉन होते हैं?

- (A) 4 (B) 3 (C) 2 (D) 5 [D]

व्याख्या—फास्फोरस एवं रासायनिक तत्व है जिसका संकेत P है तथा परमाणु संख्या 15 है। इसकी संयोजकता 1, 3, 5 होती है। फास्फोरस के एक परमाणु में 5 संयोजी इलेक्ट्रॉन होते हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा विषमांगी मिश्रण है?

- (A) आयोडीनयुक्त नमक (B) गुब्बारे में भरी वायु
(C) ब्रास (पीतल) (D) स्टेनलेस स्टील [B]

व्याख्या—गुब्बारे में भरी वायु एक विषमांगी मिश्रण है क्योंकि ये विभिन्न प्रकार के पदार्थों से बनी है। हवा में 78% नाइट्रोजन, 21% ऑक्सीजन और 1% आर्गन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में पानी जैसे अन्य अणु और कार्बन डाइऑक्साइड मौजूद है।

10. किसी एक कोश में समायोजित किए जा सकने वाले इलेक्ट्रॉन की अधिकतम संख्या किस सूत्र पर निर्भर करती है—

- (A) $2n^2$ (B) n^2 (C) $1n^2$ (D) $3n^2$ [A]

1

बहुपद एवं द्विघात समीकरण

[Polynomials and Quadratic Equation]

1. यदि $x^4 + \frac{1}{x^4} = 322$ और $x > 1$ है, तो $x^3 - \frac{1}{x^3}$ का मान क्या होगा?

(A) 72 (B) 76 (C) 74 (D) 78 [B]

व्याख्या—दिया गया है—

$$x^4 + \frac{1}{x^4} = 322$$

दोनों पक्षों में 2 जोड़ने पर

$$x^4 + \frac{1}{x^4} + 2 = 322 + 2$$

$$\left(x^2 + \frac{1}{x^2}\right)^2 = 324 = (18)^2$$

$$x^2 + \frac{1}{x^2} = 18$$

दोनों ओर से 2 घटाने पर—

$$x^2 + \frac{1}{x^2} - 2 = 18 - 2$$

$$\left(x - \frac{1}{x}\right)^2 = 16$$

$$x - \frac{1}{x} = 4$$

दोनों पक्षों का घन करने पर,

$$\text{तब } \left(x - \frac{1}{x}\right)^3 = x^3 - \frac{1}{x^3} - 3 \times x \times \frac{1}{x} \left(x - \frac{1}{x}\right) = 64$$

$$x^3 - \frac{1}{x^3} = 64 + (3 \times 4)$$

$$x^3 - \frac{1}{x^3} = 76$$

2. यदि $x^2 = y + z$, $y^2 = z + x$ और $z^2 = x + y$ है, तो

$\frac{1}{x+1} + \frac{1}{y+1} + \frac{1}{z+1}$ का मान ज्ञात कीजिए।

(A) 4 (B) -1 (C) 1 (D) 2 [C]

व्याख्या— $x^2 = y + z$

$$y^2 = z + x$$

$$z^2 = x + y$$

$$\frac{1}{x+1} + \frac{1}{y+1} + \frac{1}{z+1} = 1 - \frac{x}{1+x} + 1 - \frac{y}{1+y} + 1 - \frac{z}{1+z}$$

$$\begin{aligned} &= 3 - \left[\frac{x}{1+x} + \frac{y}{1+y} + \frac{z}{1+z} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{x}{x} \cdot \left(\frac{x}{1+x} \right) + \frac{y}{y} \cdot \frac{y}{(1+y)} + \frac{z}{z} \cdot \frac{z}{(1+z)} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{x^2}{x(1+x)} + \frac{y^2}{y(1+y)} + \frac{z^2}{z(1+z)} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{x^2}{x+x^2} + \frac{y^2}{y+y^2} + \frac{z^2}{z+z^2} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{x^2}{x+y+z} + \frac{y^2}{x+y+z} + \frac{z^2}{x+y+z} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{x^2 + y^2 + z^2}{x+y+z} \right] \\ &= 3 - \left[\frac{y+z+z+x+x+y}{x+y+z} \right] = 3 - 2 = 1 \end{aligned}$$

3. यदि $x - \frac{1}{x} = 5$ है, तो $x^4 + \frac{1}{x^4}$ का मान ज्ञात कीजिए।

(A) 730 (B) 728 (C) 727 (D) 729 [C]

व्याख्या— $x - \frac{1}{x} = 5$ (दिया है)

दोनों ओर वर्ग करने पर

$$x^2 + \frac{1}{x^2} - 2 = 25$$

$$x^2 + \frac{1}{x^2} = 27 \quad \dots(2)$$

पुनः समीकरण (2) का वर्ग करने पर

$$x^4 + \frac{1}{x^4} + 2 = (27)^2$$

$$x^4 + \frac{1}{x^4} = 729 - 2$$

$$x^4 + \frac{1}{x^4} = 727$$

4. यदि $px^3 + x^2 - 2x - q$, $(x-1)$ और $(x+1)$ से पूर्णतः विभाज्य है, तो p और q का मान ज्ञात कीजिए।

(A) $p = 1$ और $q = 2$ (B) $p = 2$ और $q = 1$

(C) $p = 0$ और $q = 1$ (D) $p = 1$ और $q = 0$ [B]

राजस्थान का भूगोल

1

सामान्य परिचय

[General Introduction]

1. राजस्थान का राज्य वृक्ष है?

- (A) नीम (B) खेजड़ी (C) पीपल (D) अरडू [B]

व्याख्या—राजस्थान का राज्य वृक्ष खेजड़ी है। राज्य सरकार द्वारा 31 अक्टूबर 1983 को खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया गया। राज्य में खेजड़ी का वृक्ष पश्चिमी राजस्थान में सर्वाधिक पाया जाता है। खेजड़ी का वानस्पतिक नाम प्रोसोपिस सिनेरेरिया है।

2. राजस्थान का 'राज्य पक्षी' कौन-सा है?

- (A) मोर (B) गोडावण (C) कोयल (D) हंस [B]

व्याख्या—राज्य सरकार ने गोडावण को 21 मई 1981 को राज्य पक्षी का दर्जा दिया। गोडावण का वैज्ञानिक नाम क्रायोटिस आर्डियोटीस नाइग्रीसेप्स है। गोडावण का अंग्रेजी भाषा में नाम "ग्रेट इंडियन बस्टर्ड" है।

3. राज्य पुष्प-रोहिड़ा राजस्थान के किस भाग में सर्वाधिक पाया जाता है?

- (A) पश्चिमी राजस्थान (B) पूर्वी राजस्थान
(C) उत्तरी राजस्थान (D) दक्षिणी राजस्थान [A]

व्याख्या—राज्य सरकार ने रोहिड़ा को 31 अक्टूबर, 1983 को राज्य पुष्प घोषित किया। रोहिड़ा का वानस्पतिक नाम टिकोमेला-अंडुलेटा है। यह पश्चिमी राजस्थान में अधिक मात्रा में पाया जाता है। रोहिड़ा के फूल मार्च-अप्रैल माह में खिलते हैं, जो हीरमीच (पीला, नीला, केसरिया) रंग के होते हैं।

4. राजस्थानी ऊँट का वैज्ञानिक नाम है—

- (A) केमेलस ड्रोमेडेरियस (B) केमेलस बेक्टेरियस
(C) केमेलस डेजर्टियस (D) केमेलस यूरोपा [A]

व्याख्या—ऊँट का वैज्ञानिक नाम कैमेलस ड्रोमेडेरियस है। सरकार आपके द्वारा अभियान के तहत 30 जून 2014 को बीकानेर में हुई कैबिनेट बैठक में ऊँट को राजकीय पशु घोषित किया गया। जिसकी अधिसूचना 19 सितम्बर, 2014 को जारी की गई। ऊँट का वैज्ञानिक नाम कैमेलस ड्रोमेडेरियस है। ऊँट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है, क्योंकि इसके गद्दीदार पैर रेत में नहीं धंसते हैं तथा यह लम्बी दूरी तक बिना थके चल सकता है।

5. राजस्थान का राज्य नृत्य निम्न में से कौनसा है?

- (A) घूमर (B) डांडिया (C) गरबा (D) घुड़ला [A]

व्याख्या—राजस्थान का राज्य नृत्य घूमर है, इसे नृत्यों का सिरमौर/राजस्थानी नृत्यों की आत्मा कहा जाता है। घूमर नृत्य महिलाओं द्वारा मांगलिक अवसरों पर किया जाता है। यह मारवाड़ क्षेत्र में मुख्य रूप से किया जाता है।

6. राजस्थान की राज्य भाषा कौनसी है?

- (A) हिन्दी (B) मारवाड़ी (C) ढूँढाड़ी (D) थली [A]

व्याख्या—संविधान के अनुच्छेद 343 में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है। हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को मनाया जाता है।

7. राजस्थान के राज्य-पुष्प रोहिड़ा का वैज्ञानिक नाम क्या है—

- (A) लिलियम (B) टेकोमेला अंडुलेटा
(C) हेलियनथस (D) साइडियम गुआजवा [B]

व्याख्या—राज्य सरकार ने रोहिड़ा को 31 अक्टूबर, 1983 को राज्य पुष्प घोषित किया। रोहिड़ा का वानस्पतिक नाम टिकोमेला-अंडुलेटा है।

8. राजस्थान का राज्य-पुष्प निम्नलिखित में से कौन सा है—

- (A) पलास (बुटिया मोनोस्पर्म) (B) कचनार (बोहिनिया वैरिगेट)
(C) कमल (नेलुम्बो न्यूसिफेश) (D) रोहिड़ा (टेकोमेला अनडुलेटा) [D]

व्याख्या—राज्य सरकार ने रोहिड़ा को 31 अक्टूबर, 1983 को राज्य पुष्प घोषित किया। रोहिड़ा का वानस्पतिक नाम टिकोमेला-अंडुलेटा है।

9. 'राजस्थान दिवस' कब मनाया जाता है?

- (A) 30 मार्च को (B) 26 जनवरी को
(C) 30 अक्टूबर को (D) 4 नवम्बर को [A]

व्याख्या—सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 30 मार्च 1949 को जयपुर में एक समारोह में वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया था। इसलिए राजस्थान दिवस प्रति वर्ष 30 मार्च को मनाया जाता है।

10. राजस्थान के राज्यकवि निम्न में से कौन है?

- (A) पृथ्वीराज राठौड़ (B) चन्दरबरदाई
(C) विजयदान देथा (D) सूर्यमल्ल मिश्रण [D]

व्याख्या—राजस्थान के राज्यकवि सूर्यमल्ल मीसण (मिश्रण) हैं। सूर्यमल्ल मिश्रण बूँदी के महाराज रायसिंह के दरबारी कवि एवं मित्र थे। वंश भास्कर, वीर सतसई, रामरंजाट, छंदमयूख, बलवद् विलास, सती रासो आदि इनके प्रमुख ग्रंथ हैं। वंश भास्कर ग्रंथ उनके दत्तक पुत्र कवि मुरारीदान ने पूरा किया।

11. राज्य वृक्ष खेजड़ी को धार्मिक ग्रंथों में किस नाम से जाना जाता है?

- (A) शमी वृक्ष (B) सीमलों (C) जांटी (D) कल्पवृक्ष [A]

व्याख्या—राज्य वृक्ष खेजड़ी को धार्मिक ग्रंथों में शमी वृक्ष के नाम से जाना जाता है। खेजड़ी के वृक्ष की विजयदशमी (दशहरे) के दिन पूजा की जाती है।

12. वर्तमान राजस्थान के कौन से क्षेत्र महाभारत काल में जांगल देश के नाम से जाने जाते थे?

- (A) उदयपुर - डूंगरपुर (B) बीकानेर - जोधपुर-फलौदी
(C) बांसवाड़ा - प्रतापगढ़ (D) अलवर - भरतपुर [B]

व्याख्या—वर्तमान राजस्थान के बीकानेर-जोधपुर-फलौदी-अनूपगढ़ का कुछ क्षेत्र महाभारत काल में जांगल देश या जांगलू के नाम से जाने जाते थे। प्राचीन समय में राज्य के अलवर-भरतपुर जिलों का उत्तरी-पूर्वी मेव जाति बहुल क्षेत्र 'मेवात', उदयपुर-डूंगरपुर जिलों में स्थित अरावली का दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र 'भोमट' तथा प्रतापगढ़-बांसवाड़ा के मध्य छप्पन गाँवों या नदी-नालों का समूह 'छप्पन का मैदान' कहलाता था।

13. निम्न में से एक वृक्ष को 'राजस्थान का गौरव' के नाम से जाना जाता है?

- (A) खेजड़ी (B) रोहिड़ा
(C) विलायती बबूल (D) कुमटा [A]

राजस्थान का इतिहास

1

इतिहास के स्रोत [Sources of History]

1. इन दिनों जोधपुर के संग्रहालय में रखे उत्तर गुप्त काल से संबंधित लाल बलुआ पत्थर में आदमकद 'स्थानक' (खड़े) विष्णु में मिले थे।

(A) भीनमाल (B) मंडोर (C) पाली (D) बीकानेर [C]

व्याख्या—जोधपुर के संग्रहालय में रखे उत्तर गुप्त काल से संबंधित लाल बलुआ पत्थर में आदमकद 'स्थानक' (खड़े) विष्णु पाली में मिले थे।

2. राजस्थान इतिहास का जनक किसे कहा जाता है ?

(A) जी. एन. शर्मा (B) श्यामलदास
(C) जी. एच. ओझा (D) कर्नल टॉड [D]

व्याख्या—राजस्थान इतिहास का जनक कर्नल जेम्स टॉड को कहा जाता है। इस्लिंगटन (इंग्लैंड) में जन्में कर्नल टॉड ने 1817 से 1822 तक पश्चिमी राजपूत राज्यों में ईस्ट इंडिया कम्पनी के पॉलिटिकल एजेंट के रूप में कार्य करते हुए 'एनाल्स एण्ड एण्टीक्यूटीज ऑफ राजस्थान' नामक पुस्तक लिखी, जिसके दो भाग हैं—प्रथम भाग में राजपूताने की भौगोलिक स्थिति, मेवाड़ का इतिहास, राजपूतों की वंशावली एवं सामन्ती व्यवस्था का उल्लेख मिलता है। द्वितीय भाग में मारवाड़, जैसलमेर, आमेर, बीकानेर एवं हाड़ौती के इतिहास की जानकारी मिलती है।

3. "मुगल बादशाह अपनी विजयों में से आधी के लिए राठौड़ों की एक लाख तलवारों के अहसानमंद थे" ये कथन कहा है—

(A) कर्नल टॉड (B) मेकमिलन
(C) ए.एल. बाँशम (D) एलफिस्टन [A]

व्याख्या—प्रश्नगत दिया गया कथन कर्नल टॉड ने कहा है कर्नल टॉड ने 1817 से 1822 तक पश्चिमी राजपूत राज्यों में ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में कार्य करते हुए 'एनाल्स एण्ड एण्टीक्यूटीज ऑफ राजस्थान' पुस्तक लिखी। कर्नल टॉड ने सर्वप्रथम राजस्थान की सामन्तवादी व्यवस्था पर विस्तार से लिखा।

4. "बादशाह ने मेवाड़ के राणा को आपस के समझौते से अधीन किया था, न कि बल से।" ये कथन कहा है?

(A) सर टॉमस रो (B) सर जे.एन. सरकार
(C) कर्नल टॉड (D) डॉ. बेनी प्रसाद [A]

व्याख्या—प्रश्नगत दिया गया कथन सर टॉमस रो ने कहा है। टॉमस रो (थॉमस रो) एक ब्रिटिश राजदूत था जो बादशाह जहाँगीर के शासनकाल में 1616 ई. में भारत आया था। इसने अजमेर के किले में जहाँगीर से मुलाकात की थी। थॉमस ने सम्राट जहाँगीर की अभिरुचियों तथा धार्मिक मान्यताओं के बारे में विस्तार से लिखा है।

5. 'इकतीसदा' रुपया राजस्थान की कौनसी टकसाल में बनता था?

(A) जोधपुर (B) सोजत
(C) कुचामन (D) मेड़ता [C]

व्याख्या— राजस्थान में सर्वप्रथम 1900 ई. में स्थानीय सिक्कों के स्थान पर कलदार का चलन जारी हुआ। ब्रिटिश राज में सर्वप्रथम टकसाल खोलने की स्वीकृति जयपुर राज्य ने प्राप्त की। 1893 में नागौर की टकसाल से विजयशाही रुपये तथा कुचामन ठाकुर को 'इकतीसदा' रुपया बनाने की अनुमति दी गई। कुचामन टकसाल में बनने वाले रुपये, अठन्नी और चवन्नी को औपचारिक रूप से लेन-देन के काम में लाया जाता था।

6. किस शिलालेख में चौहानों को 'वत्सगोत्र' ब्राह्मण कहा गया है?

(A) चीरवा शिलालेख (B) श्रृंग ऋषि का शिलालेख
(C) बिजौलिया शिलालेख (D) अपराजित का शिलालेख [C]

व्याख्या—बिजौलिया शिलालेख बिजौलिया के पार्श्वनाथ मंदिर के पास एक चट्टान पर 5 फरवरी 1170 ई. को उत्कीर्ण करवाया गया था। इसमें सांभर व अजमेर के चौहानों को वत्सगौत्रीय ब्राह्मण बताया गया है तथा उनकी वंशावलियाँ व उपलब्धियाँ बताई गई हैं।

7. बड़वा ग्राम (कोटा) से कितने मौखरी यूप अभिलेख प्राप्त हुए हैं?

(A) 5 (पाँच) (B) 3 (तीन)
(C) 4 (चार) (D) 7 (सात) [B]

व्याख्या—कोटा जिले के बड़वा गाँव से वि.सं. 238 के तीन यूप लेख मिले हैं। इसमें मौखरि वंश के शासकों का वर्णन सर्वप्रथम मिला है। इसमें मौखरि महासेनापति बल के तीन पुत्रों के एक यज्ञ संपादन का उल्लेख है।

8. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/कौनसे कथन चीरवा शिलालेख के बारे में सही है?

I. यह 1273 ई. में संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है।

II. रत्नप्रभसूरी इसके प्रशस्तिकार थे।

III. इसके शिल्पी देल्हण थे।

IV. अग्नि कुण्ड से उत्पन्न राजपूतों का इसमें उल्लेख है।

कूट

(A) I, II और IV (B) I, II और III
(C) II, III और IV (D) I, II, III और III [B]

व्याख्या— उदयपुर के चीरवा गाँव के एक मंदिर में नागरी लिपि में 1273 ई. में उत्कीर्ण एक लेख मिला है। इस शिलालेख से गुहिलवंशीय बापा रावल के वंशजों - पदमसिंह, जैत्रसिंह, तेजसिंह एवं समरसिंह की उपलब्धियों का वर्णन मिलता है।

9. अखैशाही सिक्के किस रियासत में प्रचलित थे—

(A) मारवाड़ (B) आमेर
(C) जैसलमेर (D) मेवाड़ [C]

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1

स्थापत्य कला [Architecture]

दुर्ग

1. यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में निम्नलिखित में से कौनसा किला सम्मिलित है?

1. जैसलमेर का किला 2. चित्तौड़गढ़ का किला
3. कुंभलगढ़ का किला

नीचे दिये गए कोड्स से प्रश्न का उत्तर दें।

- (A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 2 और 3 (D) 1 और 3

[A]

व्याख्या— राजस्थान के प्रसिद्ध स्थल जैसलमेर का किला, चित्तौड़गढ़ का किला तथा कुंभलगढ़ का किला को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

2. राज्य के किस किले को सुवर्णगिरी कहा जाता है?

- (A) जोधपुर के किले को (B) आमेर के किले को
(C) जालौर के दुर्ग को (D) बूँदी के किले को

[C]

व्याख्या—जालौर का दुर्ग (सुवर्णगिरी दुर्ग) पश्चिमी राजस्थान के सबसे प्राचीन तथा सुदृढ़ दुर्गों में से एक माना जाता है। प्रतिहार राजा नागभट्ट (प्रथम) द्वारा निर्मित इस दुर्ग को परमार शासकों द्वारा सुदृढ़ बनाया गया। प्राचीन साहित्य और शिलालेखों में इसे जालंधर, जाबालिपुर, जालहुर आदि नामों से अभिहित किया गया है। जिस पर्वत शिखर पर यह दुर्ग स्थित है उसे स्वर्णगिरी व कनकाचल कहा गया है।

3. 'घूंघट', 'गूगड़ी', 'बांदरा', 'इमली' क्या हैं—

- (A) तारागढ़ अजमेर की प्राचीर की विशाल बुर्जों के नाम
(B) मारवाड़ की लोक परम्परा में जातियों के गोत्रों के नाम
(C) मेवाड़ आंचलिक में स्त्रियों के पहनावे के नाम
(D) राजस्थानी खानपान की विधियों के नाम

[A]

व्याख्या— अरावली पर्वतमाला के एक उन्नत शिखर पर (बीठली पहाड़ी पर) अवस्थित अजमेर का तारागढ़ दुर्ग राजस्थान के प्रमुख किलों में माना जाता है। इसे अजयमेरू, गढ़ बीठली, राजस्थान का जिब्राल्टर आदि नामों से जाना जाता है। इसका निर्माण 7वीं सदी में चौहान शासक अजयपाल ने करवाया था। घूंघट, गूगड़ी, बांदरा एवं इमली दुर्ग की प्राचीर की विशाल बुर्जों के नाम हैं तथा विजयपोल, लक्ष्मीपोल, फूटा दरवाजा, भवानी पोल, हाथीपोल, अरकोट दरवाजा तथा बड़ा दरवाजा इस दुर्ग के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं।

4. किलों और उसके शहरों/जिलों के निम्नलिखित जोड़ों में से कौनसा मिलान सही ढंग से मेल नहीं खाता है—

- (A) तारागढ़—बूँदी (B) गागरोन—झालावाड़
(C) सोनारगढ़—जैसलमेर (D) कुंभलगढ़—उदयपुर

[D]

व्याख्या—

दुर्ग	जिला
तारागढ़	—
गागरोन	—
सोनारगढ़	—
	बूँदी
	झालावाड़
	जैसलमेर

कुंभलगढ़ — राजसमंद

कुंभलगढ़ दुर्ग का निर्माण महाराणा कुंभा ने करवाया। इस दुर्ग के चारों ओर 36 किमी. लम्बी दीवार है।

5. 'गुब्बारा', 'नुसरत', 'नागपली', 'गजक' नाम है—

- (A) जोधपुर दुर्ग की तोपों के नाम
(B) मेवाड़ में प्रचलित क्षेत्रीय मिठाइयों के नाम
(C) मारवाड़ ठिकानों के वस्त्रों के नाम
(D) मेवाड़ में प्रचलित राजस्व वसूली करों के नाम

[A]

व्याख्या—जोधपुर नगर की उत्तरी पहाड़ी चिड़िया टूंक पर बने जोधपुर किले को मयूध्वजगढ़, मोरध्वजगढ़ तथा गढ़चितामणि भी कहा जाता है। इस दुर्ग की स्थापना 1459 में राव जोधा ने की थी। इस किले में अनेक प्राचीन तोपें हैं जिनमें शंभुबाण, किलकिला, गजनीखान, नुसरत, गुब्बारा, नागपाली, मीरक, गजक, बिच्छू बाण, व्याधि तथा रहस्य कला तोपें अधिक प्रसिद्ध हैं।

6. कुम्भलगढ़ दुर्ग का शिल्पी कौन था—

- (A) अत्रि (B) कुम्भा (C) मण्डन (D) नरेश

[C]

व्याख्या—कुम्भलगढ़ दुर्ग (राजसमंद) का निर्माण महाराणा कुंभा के प्रमुख शिल्पी और वास्तुशास्त्री मंडल की योजना एवं देखरेख में किया गया। जरगा की पहाड़ी पर स्थित यह दुर्ग 36 किमी. लम्बी एक दीवार से घिरा हुआ है। इस दुर्ग को कुंभलमेर, कुंभलमेरू तथा मेवाड़ की आँख कहा जाता है।

7. तोप ढालने का कारखाना राजस्थान के किस दुर्ग में था?

- (A) जयगढ़ (B) नाहरगढ़ (C) लोहागढ़ (D) जूनागढ़

[A]

व्याख्या—आमेर दुर्ग के दक्षिणावर्ती पर्वत शिखर पर अवस्थित जयगढ़ दुर्ग महाराजा मानसिंह प्रथम ने 1605 ई. के लगभग बनवाना प्रारम्भ किया था बाद में मिर्जा राजा जयसिंह एवं सवाई जयसिंह ने इसे पूर्ण करवाया। जयगढ़ दुर्ग के भीतर मध्यकालीन शस्त्रागारों का विशाल संग्रहालय बना हुआ है। यहाँ तोपे ढालने का विशाल कारखाना था। यहाँ इस कारखाने में निर्मित 'जयबाण' विशाल तोप है जो एशिया की सबसे बड़ी तोप मानी जाती है।

8. हम्मीर रासो के अनुसार रणथम्भौर किले का प्रारम्भिक नाम क्या था?

- (A) रणस्तम्भपुर (B) रणदेवपुर
(C) रणथनपुर (D) रणथम्बपुरा

[A]

व्याख्या—वर्तमान में सवाई माधोपुर जिले में स्थित रणथम्भौर अरावली पर्वत शृंखलाओं से घिरा हुआ एक विकट दुर्ग है। यह विषम आकृति वाली ऊँची, नीची सात पर्वत श्रेणियों से घिरा है। हम्मीर रासो के अनुसार इस दुर्ग का प्रारम्भिक नाम 'रणस्तम्भपुर' था।

9. किस राजपूत राजा को स्थापत्य कला का संरक्षक कहा जाता है?

- (A) महाराणा प्रताप (B) राणा कुंभा
(C) राणा उदयसिंह (D) राणा संग्राम सिंह

[B]

व्याख्या—महाराणा कुम्भा ने अपने शासनकाल में 32 दुर्गों का निर्माण व जीर्णोद्धार करवाया। कुम्भा ने कुंभलगढ़ में कुंभलगढ़ दुर्ग तथा इसके ऊँचे भाग पर 'कटारगढ़' (कुम्भा का निवास) बनवाया।

पशुपालन

1

पशुओं की विभिन्न नस्लें [Major Various Breeds of Animals]

1. निम्नलिखित में क्रासब्रिड गाय कौन-सी है—

- (A) करन स्विस (B) जर्सी
(C) ब्राउन स्विस (D) डोल्सटिन-फौलीन [A]

व्याख्या—करन स्विस नस्ल भारतीय साहीवाल और अमेरिका से मंगाए गए ब्राउन स्विस नस्ल के सांडों के हिमीकृत वीर्य से राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में पैदा की गयी है। अब हरियाणा में कई स्थानों पर यह नस्ल पाली जाती है।

2. भैंस की किस नस्ल में हंसिया के आकार के एवं चपटे सींग पाए जाते हैं—

- (A) जाफराबादी (B) सूरती
(C) मुर्दा (D) नीली [B]

व्याख्या—सूरती भैंस के शरीर का आकार उत्तम और कुछ मध्यम होता है। पेट आगे की ओर पतला और पीछे की ओर चौड़ा होता है। सिर लम्बा और चौड़ा, सींगों के बीच में गोल और पीठ सीधी होती है। आँखे उभरी हुई रहती हैं और सींग दराती (हंसिया-Sickle-shaped) जैसे लम्बे और चपटे होते हैं।

3. बड़ा आकार, ऊँचा कद, रोमन नाक, बड़े लटके कान व पीछे घने बाल वाली बकरी की नस्ल है—

- (A) अल्पाइन (B) नूवियन (C) जमुनापारी (D) बरबरी [C]

व्याख्या—जमुनापारी बकरी का आकार बड़ा, कद, ऊँचा, टाँगे लम्बी, माथा उठा हुआ, चौड़ा, कान बड़े लटके हुए, सींग 24-30 सेमी. लम्बे, उठी हुई रोमन नाक तथा जाँघों पर पीछे की ओर घने बाल होते हैं। शरीर का रंग सफेद होता है।

4. बीटल नस्ल है—

- (A) बकरी (B) घोड़े (C) भैंस (D) गाय [A]

व्याख्या—बीटल बकरी की नस्ल है, पंजाब के गुरुदासपुर से जिसकी उत्पत्ति मानी जाती है। ये जमुनापुरी नस्ल की बकरी से मिलती-जुलती होती है।

5. 'केन्द्रीय बकरी शोध संस्थान' स्थित है—

- (A) मकदूम में (B) हिसार में
(C) बैंगलोर में (D) भोपाल में [A]

व्याख्या—'केन्द्रीय बकरी शोध-संस्थान' (CIRG-Central Institute of Research on Goat) - मकदूम (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। इसकी स्थापना वर्ष 1979 में हुई।

6. भदावरी नस्ल की भैंस के मादा पशुओं का भार होता है—

- (A) 350-400 किग्रा. (B) 400-450 किग्रा.
(C) 200-300 किग्रा. (D) 900-1000 किग्रा. [A]

व्याख्या—इसके नर पशुओं का शरीर भार 400-450 किग्रा. तथा मादा पशुओं का भार 350-400 किग्रा. होता है तथा प्रथम ब्यांत की उम्र 48-54 माह है। इस नस्ल की भैंस की दुग्ध क्षमता 900-1200 किग्रा. प्रति ब्यांत एवं दूध में वसा 12-14 प्रतिशत होती है।

7. 'मत्स्य बीज' से सम्बन्धित नहीं है—

- (A) पुट पोना (B) टाइटन (C) आंगुलिक (D) वार्षिक [B]

व्याख्या—मछलियाँ बारिश में नदी, तालाबों इत्यादि जलाशयों में प्रजनन करती हैं। इस दौरान इन जलाशयों में इनके लाखों की तादाद में अंडे निषेचित होते हैं, जिनसे मछलियों के बच्चे बाहर निकल आते हैं, जो समय के साथ अपनी शारीरिक वृद्धि करते रहते हैं। इन्हें **मत्स्य बीज** (हैचलिंग्स, स्पान, फ्राई व फिंगरलिंग्स) कहा जाता है। 'मत्स्य बीज' के अन्तर्गत **जलांडक** (Spawn), **अंडजोत्पत्तिक** (Hatchlings), **पुट पोना** (Sac Fry), **पोना** (Fry), **तरुण** (Juveniles), **आंगुलिक** (Fingerlings), **वार्षिक** (Yearlings) शामिल है।

8. जाफराबादी किस पशु की नस्ल है—

- (A) भैंस (B) गाय (C) बकरी (D) भेड़ [A]

व्याख्या—विभिन्न पशुओं की नस्लें निम्नलिखित हैं—

- ◇ भेड़ — मगरा, चोकला, मेरिनो, कराकुल
- ◇ भैंस — मुर्दा, सूरती, रावी, भदावरी, मेहसाणा, जाफराबादी
- ◇ बकरी — जमुनापारी, बीटल, टोगेनबर्ग
- ◇ ऊंट — बीकानेरी, मेवाड़ी, जैसलमेरी
- ◇ गाय — गिर, थारपारकर, राठी, नागौरी

9. लंबी पूँछ, लटकता हुआ गलकंबल एवं छोटे व मोटे सींग किस गाय की विशेषता है—

- (A) राठी (B) थारपारकर (C) जर्सी (D) गिर [A]

व्याख्या—इस नस्ल के पशुओं का रंग हल्का सफेद, हल्का लाल के रंग जैसा काले या लाल धब्बेदार होता है। शरीर ढीला ढाला मध्यम आकार का चेहरा चौड़ा, त्वचा ढीली, सींग छोटे व मोटे, गर्दन छोटी, गलकंबल लटकता हुआ बड़ा तथा पूँछ लंबी होती है।

10. सर्वोत्तम गलीचा नस्ल की भेड़ मानी जाती है—

- (A) चोकला (B) मारवाड़ी (C) मालपुरा (D) मेरिना [A]

व्याख्या—देश में 44 भेड़ की नस्लें हैं जिनमें अधिकांशतः भेड़ नस्ल गलीचा किस्म की ऊन का ही उत्पादन करती है। भारतवर्ष में पायी जाने

87. पशुओं के शरीर में कैल्शियम की मात्रा कितने प्रतिशत पायी जाती है—

- (A) 1.3 (B) 2.3 (C) 3.3 (D) 4.3 [C]

व्याख्या—कैल्शियम जीवों के हड्डियों के विकास के लिए एक आवश्यक तत्व है। इसकी कमी से हड्डियों से सम्बन्धित रोग हो जाता है। सामान्यतः जानवरों में कैल्शियम की मात्रा उनके शारीरिक भार का लगभग 3.5 प्रतिशत के आस-पास होता है।

88. वह चारागाह भूमि जिनको पशुपालक स्वयं उगाता है—

- (A) कृत्रिम चारागाह (B) प्राकृतिक चारागाह
(C) A व B दोनों (D) इनमें से कोई नहीं [A]

व्याख्या—वह चारागाह जिनको पशुपालक स्वयं कृषि युक्त भूमि को छोड़कर उस पर विभिन्न प्रकार की फलीदार घासों उगाता है। कृत्रिम चारागाह कहलाता है।

89. निम्न में से दीनानाथ घास की विशेषता है—

- (A) यह एक विदेशी घास है।
(B) घास की पत्तियाँ चौड़ी, धारदार एवं रसीली होती है।
(C) वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में जून-जुलाई में इसकी बुआई होती है।
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—दीनानाथ घास एक विदेशी घास है। यह अपनी पौष्टिकता एवं अच्छे स्वाद के कारण काफी लोकप्रिय है। इसकी फसल एक बार बो देने के बाद कई वर्ष तक हरा चारा देती रहती है। इस घास की पत्तियाँ चौड़ी, धारदार एवं रसीली होती है। सामान्यतया इस घास को हर प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है परन्तु पानी की निकास वाली एवं ऊँची पहाड़ की ढाल वाली भूमि अधिक उपयुक्त है। वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में जून-जुलाई में इसकी बुआई होती है। इसकी पहली कटाई बोने के 50-60 दिन बाद की जा सकती है। इसकी फार्मों पर 'हे' भी बनाई जाती है।

90. सूखा एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों हेतु पशुओं का आहार है?

- (A) गन्ने की खोई व सूखी पत्तियाँ
(B) मूँगफली का ऊपरी छिलका
(C) सूखी बांस की पत्तियाँ
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—प्राकृतिक आपदाओं में पशुओं के लिए आहार-व्यवस्था सम्भव नहीं हो पाती। समय-समय पर सूखा, बाढ़ आदि के कारण आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। ऐसी स्थिति में सूखी बांस की पत्तियाँ, मूँगफली का ऊपरी छिलका, गन्ने की खोई व सूखी पत्तियाँ आदि को मिलाकर आहार बनाया जाता है।

91. निम्न में से बारहमासी घास 'गजराज' की विशेषता है—

- (A) यह बाजरा और नैपियर के बीच की एक हाईब्रिड प्रजाति है।
(B) इसकी पहली सिंचाई जड़ें या तना जमीन में दबाने के बाद होती है।
(C) इसका पौधा जैसे-जैसे बढ़ता है इसमें प्रोटीन की मात्रा घटती जाती है।
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा निर्मित यह बाजरा और नैपियर के बीच की एक हाईब्रिड (संकर प्रजाति) की शीघ्रता से फैलने वाली बारहमासी घास है। इसमें प्रोटीन एवं अन्य पोषक तत्व

अधिक मात्रा में पाये जाते हैं। इसे 'गजराज' घास भी कहा जाता है। इसकी पहली सिंचाई जड़ें या तना जमीन में दबाने के बाद तथा गर्मी में 10-12 दिनों के अन्तराल पर एवं जाड़ों में 15-20 दिनों के अन्तराल पर की जानी चाहिए। इसे पशुओं को खिलाते समय हरे चारे के साथ 4-5 किलोग्राम दलहनी हरे चारे जैसे-लोबिया, ग्वार, बरसीम आदि के साथ देना चाहिए। इसका पौधा जैसे-जैसे बढ़ता है इसमें प्रोटीन की मात्रा घटती जाती है। अतः पौधों को अधिक नहीं बढ़ने देना चाहिये।

92. खरीफ फसल का चारा 'मकचरी' के संदर्भ में सत्य कथन है?

- (A) इसमें गन्ने के समान एक ही जड़ से कई किल्ले निकलते हैं।
(B) इसकी बुआई फरवरी-मार्च एवं वर्षा ऋतु में की जाती है।
(C) हरे चारे के लिये इसकी फसल 90-100 दिन में तैयार हो जाती है।
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—'मकचरी' मक्का + चरी को संशोधित करके बनी एक हरे चारे के लिए उत्तम किस्म की फसल है। इसकी बुआई फरवरी-मार्च एवं वर्षा ऋतु में की जाती है। इसमें गन्ने के समान एक ही जड़ से कई किल्ले निकलते हैं। हरे चारे के लिये इसकी फसल 90-100 दिन में तैयार हो जाती है।

93. दुग्ध उत्पादन में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने हेतु पशुओं को दिया जाने वाला आहार है—

- (A) लोबिया (B) सोयाबीन
(C) मटर (D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—दूध देने वाले पशुओं को अलग-अलग उनके उत्पादन के अनुसार आहार की व्यवस्था करनी चाहिए।

दुग्ध उत्पादन में प्रोटीन का बहुत महत्व है, क्योंकि प्रोटीन दूध का ही एक अंग है। प्रोटीन की प्राप्ति अरहर, चना, मटर, लोबिया, सेम, सोयाबीन, उड़द, मूँग, मसूर आदि दालों से होती है जिन्हें दलिया में मिलाकर पशु को दिया जाता है। पशु भोजन में प्रोटीन की कमी होने पर उसके दुग्ध उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

94. दीनानाथ घास की कटाई का उपयुक्त समय है?

- (A) बुआई के 10 दिन बाद
(B) बुआई के 55 दिन बाद
(C) बुआई के 20 दिन बाद
(D) बुआई के 100 दिन बाद [B]

व्याख्या—सामान्यतया दीनानाथ घास को हर प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है परन्तु पानी की निकास वाली एवं ऊँची पहाड़ की ढाल वाली भूमि अधिक उपयुक्त है। वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में जून-जुलाई में इसकी बुआई होती है। इसकी पहली कटाई बोने के 50-60 दिन बाद की जा सकती है। इसकी फार्मों पर 'हे' भी बनाई जाती है।

95. सरसों की खली में नाइट्रोजन का प्रतिशत होता है—

- (A) 4.9% (B) 2.5%
(C) 1.5% (D) 20% [A]

व्याख्या—सरसों की खली में 4.9 प्रतिशत नाइट्रोजन, 2.5 प्रतिशत फॉस्फोरस, 1.5 प्रतिशत पोटाश पाया जाता है।

96. मूँगफली की खली में प्रोटीन होता है—

7

पशु उत्पाद [Animal Product]

- विश्व में महीन ऊन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध भेड़ की नस्ल है
(A) रैम्बुलट (B) साउथडाइन (C) लिक्न (D) मेरिनो [D]
व्याख्या—मेरिनो भेड़ का जन्म स्थान स्पेन है। अब सारे विश्व में फैल गई है। ये भेड़ें बारीक ऊन के लिए प्रसिद्ध है। 7-13 किग्रा. ऊन प्रति वर्ष प्राप्त होती है।
 - 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार भारत में कुल पॉल्ट्री पक्षियों की संख्या है—
(A) 581.5 मिलियन (B) 158.6 मिलियन
(C) 851.8 मिलियन (D) 108.2 मिलियन [C]
व्याख्या—20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार भारत में 851.8 मिलियन पॉल्ट्री पक्षी हैं। पॉल्ट्री फार्मों में मुर्गियां, टकी, बत्ख एवं हंस आदि को मांस और अंडे के लिए पाला जाता है। तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, असम एवं केरल में मुर्गी पालन की संख्या सबसे अधिक है।
 - ब्यूटायरोमीटर क्या काम आता है—
(A) अम्लीयता परीक्षण में (B) दूध में मिलावट ज्ञात करने में
(C) वसा परीक्षण में (D) आपेक्षित घनत्व नापने में [C]
व्याख्या—गर्बर नली जिसे हम ब्यूटायरोमीटर कहते हैं में एक निश्चित मात्रा का दूध लेकर, उसके प्रोटीन को गंधक के तेज़ाब से विघटित कर दिया जाता है। तत्पश्चात उसमें अमाइल अल्कोहल डाल कर दूध एवं मिश्रण का पृष्ठ तनाव कम कर लेते हैं। ब्यूटायरोमीटर को मिश्रण सहित सेंट्रीफ्यूज में लगभग 1100 चक्र प्रति मिनट की दर से 5 मिनट तक घुमाते हैं। गर्बर विधि से वसा प्रतिशत ज्ञात करने के लिए दूध की 10.75 मि.ली. मात्रा ली जाती है।
 - किस पशु के दूध में सर्वाधिक लैक्टोज पाया जाता है?
(A) ऊँटनी (B) बकरी (C) भैंस (D) भेड़ [A]
व्याख्या—
- | पशु जाति | लैक्टोज प्रतिशत |
|----------|-----------------|
| भैंस | 4.9 |
| ऊँटनी | 5.1 |
| बकरी | 4.6 |
| भेड़ | 4.6 |
- आधारभूत पशुपालन सांख्यिकी 2022 के अनुसार भारत के शीर्ष पाँच अंडा उत्पादक राज्यों में शामिल है—
(A) बिहार (B) राजस्थान
(C) हरियाणा (D) आंध्र प्रदेश [D]
व्याख्या—आधारभूत पशुपालन सांख्यिकी 2022 द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार भारत के शीर्ष पाँच अंडा उत्पादक राज्यों में आंध्र प्रदेश (20.41%), तमिलनाडु (16.08%), तेलंगाना (12.86%), पश्चिम बंगाल (8.84%) और कर्नाटक (6.38%) का नाम शामिल है।
 - दूध में वसा में ग्लिसरोल व वसीय अम्लों का अनुपात होता है—
(A) 1 : 3 (B) 3 : 1 (C) 2 : 1 (D) 1 : 2 [A]
व्याख्या—दूध में वसा में उपस्थित ग्लिसरोल एवं वसीय अम्लों का अनुपात 1 : 3 होता है।
 - 'पशमिना' का सम्बन्ध है—
(A) अंगोरा से (B) मोहेयर से
(C) जमुनापारी से (D) बारबरी से [A]
व्याख्या—पशुओं के बाल से विभिन्न प्रकार के उत्पाद निर्मित किये जाते हैं। ऊँट से प्राप्त बालों से कम्बल, रस्सियाँ, दरी बनाये जाते हैं। सूअर तथा घोड़े से प्राप्त होने वाले बालों से जूतों के पॉलिश करने की ब्रुश, खुरहरा बनाने की ब्रुश आदि बनते हैं। बकरियों में छागथांगी तथा छेगु नस्ल से प्राप्त बालों को मोहेयर (धागा) तथा अंगोरा से प्राप्त होने वाले बालों को 'पशमिना' कहा जाता है जिनसे अच्छी किस्म के शॉल, स्वेटर व अन्य ऊनी वस्त्र बनाये जाते हैं।
 - वर्ष 2021-22 में भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता है—
(A) 303 ग्राम प्रतिदिन (B) 240 ग्राम प्रतिदिन
(C) 404 ग्राम प्रतिदिन (D) 444 ग्राम प्रतिदिन [D]
व्याख्या—देश में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 2013-14 में 303 ग्राम प्रति दिन से बढ़ कर वर्ष 2021-22 में 444 ग्राम प्रतिदिन हो गयी है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा योगदान राजस्थान (15.05%), उत्तर प्रदेश (14.93%), मध्य प्रदेश (8.06%), गुजरात (7.56%) और आंध्र प्रदेश (6.97%) का रहा है।
 - केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान स्थित है?
(A) पटना, (बिहार) (B) भीलवाड़ा (राजस्थान)
(C) करनाल (हरियाणा) (D) बरेली (उत्तर प्रदेश) [D]
व्याख्या—केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान की स्थापना 1979 में इज्जतनगर, बरेली (उत्तर प्रदेश) में गई थी।
 - गर्बर विधि का उपयोग परीक्षण हेतु करते हैं—
(A) अम्लीयता (B) विटामिन
(C) प्रोटीन (D) वसा [D]
व्याख्या—गर्बर नली जिसे हम ब्यूटायरोमीटर कहते हैं में एक निश्चित मात्रा का दूध लेकर, उसके प्रोटीन को गंधक के तेज़ाब से विघटित कर

10

पशु मेले, पशुगणना, गौशाला प्रबंधन एवं गोबर-मूत्र का उचित निष्पादन

[Animal Fair, Animal Census, Cowshed Management & Proper Disposal of Cow Dung & Urine]

1. महाशिवरात्रि पशु मेला किस नस्ल के लिए प्रसिद्ध है—

- (A) मालवी नस्ल (B) हरियाणवी नस्ल
(C) थारपारकर नस्ल (D) नागौरी नस्ल [B]

व्याख्या—महाशिवरात्रि पशु मेले का आयोजन करौली किया जाता है। इसकी शुरुआत सन् 1959 ई. की महाशिवरात्रि से की गई। यह राज्य स्तरीय पशु मेला फाल्गुन कृष्ण 6 तथा फाल्गुन कृष्ण 14 को आयोजित किया जाता है। महाशिवरात्रि पशु मेला हरियाणवी नस्ल के लिए प्रसिद्ध है।

2. वीर योद्धा रावल मल्लीनाथ की स्मृति में आयोजित 'मल्लीनाथ पशु मेला' का आयोजन कहाँ होता है—

- (A) परबतसर (नागौर) (B) झालरापाटन (झालावाड़)
(C) तिलवाड़ा (बालोतरा) (D) रूपवास (भरतपुर) [C]

व्याख्या—राजस्थान का सबसे प्राचीनतम पशु मेला मल्लीनाथ पशु मेला, तिलवाड़ा (बालोतरा) है जो लूणी नदी के किनारे पर लगता है। यह मेला चैत्र कृष्ण 11 से चैत्र शुक्ल 11 (अप्रैल) को लगता है। राजस्थान सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा पहली बार वर्ष सन् 1957 में राज्य स्तरीय दर्जा प्रदान किया गया। मल्लीनाथ पशु मेला वीर योद्धा रावल मल्लीनाथ की स्मृति में आयोजित किया जाता है। इस पशु मेले में कांकरेज नस्ल के बैल, मालानी नस्ल के घोड़े और ऊँटों की बिक्री सर्वाधिक होती है। यह पशु मेला थारपारकर नस्ल की गाय के लिए प्रसिद्ध है।

3. नवीनतम पशुगणना के अनुसार राजस्थान में देश के कुल पशुधन का कितना प्रतिशत है?

- (A) 10.80 (B) 10.57
(C) 10.60 (D) 10.11 [C]

व्याख्या—राजस्थान पशुधन की दृष्टि से समृद्ध प्रांत है, यहाँ देश के कुल पशुधन का लगभग 10.60 प्रतिशत है।

4. मानासर (नागौर) में कौन-सा पशु मेला आयोजित होता है—

- (A) चन्द्रभागा पशु मेला (B) वीर तेजाजी पशु मेला
(C) रामदेव पशु मेला (D) कार्तिक पशु मेला [C]

व्याख्या—रामदेव पशु मेला मेला प्रतिवर्ष नागौर शहर से पांच किलोमीटर दूर मानासर गांव में माघ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से माघ शुक्ल 15 तक लगता है। इस मेले में नागौरी नस्ल के बैलों की बड़ी मात्रा में खरीद-बिक्री होती है।

5. मल्लीनाथ पशु मेला किस स्थान पर लगता है—

- (A) परबतसर (B) तिलवाड़ा
(C) मानासर (D) नोहर [B]

व्याख्या—मल्लीनाथ पशु मेला तिलवाड़ा (बालोतरा) में भरता है। राज्य का सबसे प्राचीनतम पशु मेला मल्लीनाथ पशु मेला है जो लूणी नदी के किनारे पर लगता है। यह पशु मेला थारपारकर नस्ल की गाय के लिए प्रसिद्ध है।

6. गोमतीसागर पशु मेला किस जिले में आयोजित होता है—

- (A) परबतसर (B) जोधपुर
(C) झालरापाटन (D) मेड़ता [C]

व्याख्या—गोमतीसागर पशु मेले का आयोजन झालरापाटन (झालावाड़) मालवी में किया जाता है। यह पशु मेला हाड़ौती क्षेत्र का सबसे बड़ा पशु मेला है। गोमती सागर पशु मेला मालवी नस्ल से सम्बन्धित है।

7. 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में पशुधन प्रतिशत के संदर्भ में सत्य युग्म है—

- (A) बकरी—16.69 प्रतिशत (B) गाय—24.47 प्रतिशत
(C) भैंस—26.12 प्रतिशत (D) भेड़—9.91 प्रतिशत [B]

व्याख्या—20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक संख्या में पाए जाने वाले पशु निम्न हैं—

◇ बकरी	—	36.69 प्रतिशत
◇ गाय	—	24.47 प्रतिशत
◇ भैंस	—	24.12 प्रतिशत
◇ भेड़	—	13.91 प्रतिशत

8. नवीनतम पशुगणना में किस पशुधन में सर्वाधिक प्रतिशत कमी दर्ज की गई है—

- (A) ऊँट (B) भैंस
(C) गौवंश (D) गधा [D]

व्याख्या—नवीनतम पशुगणना में प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक कमी -71.31% गधों की संख्या में दर्ज की गई है, जबकि सर्वाधिक वृद्धि +5.53% भैंस की संख्या में हुई है।

9. निम्न में से भरतपुर जिले में कौन-सा पशु मेला आयोजित होता है—

- (A) जसवंत पशु मेला (B) गोगामेड़ी पशु मेला
(C) चन्द्रभागा पशु मेला (D) कार्तिक पशु मेला [A]

व्याख्या—यह पशु मेला राजस्थान के भरतपुर में लगता है। इस मेले

87. राजस्थान सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजना 'राजस्थान पशु मित्र योजना' कब लागू की गई—

- (A) मई 2023 (B) जून 2023
(C) मई 2022 (D) अक्टूबर 2023 [A]

व्याख्या—राजस्थान पशु मित्र योजना के अनुसार राजस्थान में 5000 बेरोजगार युवा प्रशिक्षित पशुपालन सहायक पशु चिकित्सकों को उनकी योग्यता के अनुसार निर्धारित मानदेय का लाभ प्रदान किया जाएगा। इसके बाद उन्हें पशु मित्र के नाम से जाना जाएगा। राजस्थान पशुपालन विभाग द्वारा इस योजना का 30 मई 2023 को नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

88. 'राजस्थान बकरी पालन योजना' के तहत निवेशित लागत में ब्याज मुक्त ऋण का प्रतिशत है—

- (A) 20 प्रतिशत (B) 50 प्रतिशत
(C) 10 प्रतिशत (D) 18 प्रतिशत [B]

व्याख्या—'राजस्थान बकरी पालन योजना' के तहत निवेशित लागत में 50 प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण, 10 प्रतिशत कृषक द्वारा अनुदान एवं 40 प्रतिशत बैंक ऋण है।

89. 'राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना' का उद्देश्य है—

- (A) चारा विकास (B) मुर्गी पालन एवं नस्ल सुधार
(C) उद्यमिता विकास (D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना 2021-22 से 2025-26 के लिए पुनर्गठित की गई। यह योजना फीड और चारा विकास सहित मुर्गी पालन, भेड़, बकरी और सुअर पालन में नस्ल सुधार पर केन्द्रित है।

90. राष्ट्रीय दुग्ध दिवस कब मनाया जाता है—

- (A) 14 नवम्बर (B) 8 अक्टूबर
(C) 26 नवम्बर (D) 2 दिसम्बर [C]

व्याख्या—राष्ट्रीय दुग्ध दिवस वर्गीज कुरियन के जन्मदिन 26 नवम्बर को मनाया जाता है।

91. निम्न में से सुमेलित नहीं है—

- (A) राष्ट्रीय दुग्ध दिवस — 26 नवम्बर
(B) विश्व दुग्ध दिवस — 1 जून
(C) विश्व पशु कल्याण दिवस — 4 अक्टूबर
(D) किसान दिवस — 24 दिसम्बर [D]

व्याख्या—सही सुमेलन निम्न प्रकार है—

- ◇ राष्ट्रीय दुग्ध दिवस — 26 नवम्बर
◇ विश्व दुग्ध दिवस — 1 जून
◇ विश्व पशु कल्याण दिवस — 4 अक्टूबर
◇ किसान दिवस — 23 दिसम्बर

92. नेशनल लाइव स्टॉक मिशन का उद्देश्य है—

- (A) पशुओं को दाना एवं चारा की उपलब्धता बढ़ाना
(B) उपलब्धता एवं मांग के बीच अंतर कम करना
(C) रोग नियंत्रण
(D) उपरोक्त सभी [D]

व्याख्या—नेशनल लाइव स्टॉक मिशन की शुरुआत 12वीं पंचवर्षीय योजना में की गई। इसके तहत पशुओं को दाना एवं चारा की उपलब्धता बढ़ाना, उपलब्धता एवं मांग के बीच अंतर कम करना, रोग नियंत्रण आदि शामिल है।

93. 'राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना' के द्वितीय चरण में प्रति सदस्य वार्षिक प्रीमियम है—

- (A) ₹23.50 (B) ₹32.50 (C) ₹53.50 (D) ₹43.25 [C]

व्याख्या—दुग्ध उत्पादकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए आरसीडीएफ द्वारा जनवरी, 2018 से राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना का द्वितीय चरण प्रारम्भ किया गया है। योजनान्तर्गत वार्षिक प्रीमियम दर रूप 53.50 प्रति सदस्य है। इस बीमा योजना में भी बीमा प्रीमियम की 12.5% राशि सामान्य दुग्ध उत्पादकों के लिए एवं अनुसूचित जाति/जनजाति/ महिला एवं बीपीएल दुग्ध उत्पादकों की 20% प्रीमियम राशि फैडरेशन द्वारा वहन की जा रही है।

94. दुग्ध उत्पादकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए आरसीडीएफ द्वारा कब से राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना का द्वितीय चरण प्रारम्भ किया—

- (A) जनवरी 2023 (B) जनवरी 2020
(C) जनवरी 2022 (D) जनवरी 2018 [D]

व्याख्या—दुग्ध उत्पादकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए आरसीडीएफ द्वारा जनवरी, 2018 से राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना का द्वितीय चरण प्रारम्भ किया गया है। योजनान्तर्गत वार्षिक प्रीमियम दर रूप 53.50 प्रति सदस्य है।

95. कौन-सी दुग्ध विपणन एवं डेयरी विकास हेतु शीर्ष संस्था है—

- (A) RCDF (B) DMPCU
(C) CMPCS (D) RCDM [A]

व्याख्या—RCDF की स्थापना 'राजस्थान सहकारिता समिति एक्ट, 1965 के तहत वर्ष 1977 में जयपुर में की गयी है। यह राजस्थान में दुग्ध विपणन एवं डेयरी विकास हेतु शीर्ष संस्था है। RCDF का ब्रांड 'सरस' है। RCDF के अंतर्गत वर्तमान में राज्य में कुल 21 'सहकारी जिला दुग्ध उत्पादक संघ' कार्यरत है।

96. स्थानीय नस्ल की गायों का रेड-डेन नस्ल के सांडो से संकरण किस प्रोजेक्ट का भाग है—

- (A) इन्डो डेनिस प्रोजेक्ट (B) इन्डो जर्मन प्रोजेक्ट
(C) इन्डो स्विस प्रोजेक्ट (D) उपरोक्त सभी [A]

व्याख्या—इन्डो डेनिस प्रोजेक्ट कर्नाटक के हेरिगांडा में चलाया जा रहा है। इसमें स्थानी गायों का रेड-डेन नस्ल के सांडों से संकरण कराया जाता है।

97. इन्डो स्विस प्रोजेक्ट कहाँ चलाया गया है—

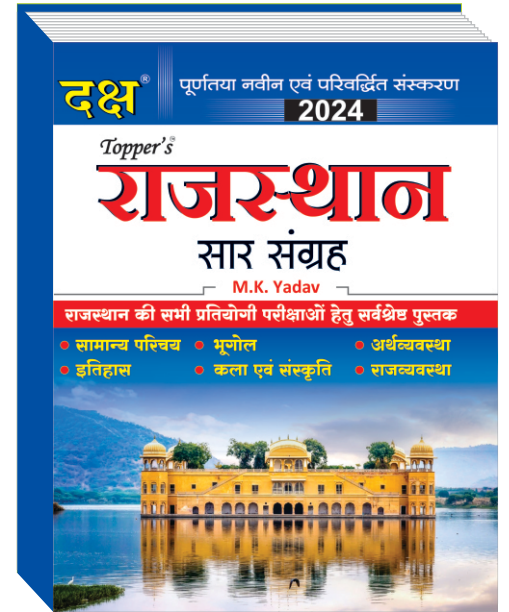
- (A) पटियाला में (B) गुजरात में
(C) हिमाचल में (D) कर्नाटक में [A]

व्याख्या—इन्डो स्विस प्रोजेक्ट पटियाला में चलाया गया है। इसमें ब्राउन स्विस नस्ल के हरियाणा साहीवाल गायों को प्रजनित कर नस्ल सुधार किया गया।

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें



**पशु-परिचर परीक्षा में
राजस्थान GK के
विस्तृत अध्ययन के लिए
महत्वपूर्ण पुस्तक
(नव निर्मित जिलों का
विस्तृत विवरण
मानचित्रों सहित)**



दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)

फोन नं. 0141-2604302

Code No. D-731

₹ 680/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु

WWW.DAKSHBOOKS.COM

पर ORDER करें

★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★